मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

# MTT–043

## सिंधी-हिंदी-सिंधी अनुवाद में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

## (पी. जी. डी. एस. एच. एस. टी.)

## सत्रांत परीक्षा

## जून, 2026

## एम.टी.टी.-043 : अनुवाद सिद्धांत और सिंधी-हिंदी-सिंधी अनुवाद परंपरा

*समय : 3 घण्टे* *अधिकतम अंक : 100*

---

***नोट :*** कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्न संख्या 1 से 8 तक से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लगभग **750** शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए और प्रश्न संख्या 9 की संक्षिप्त टिप्पणियाँ लगभग **350** शब्दों (प्रत्येक) में लिखिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

---

1. 'अनुवाद' और 'Translation' शब्दों की व्युत्पत्ति पर विचार करते हुए अनुवाद के सीमित और व्यापक संदर्भ पर प्रकाश डालिए। 20

2. अनुवाद की सीमाएँ और अननुवाद्यता से क्या अभिप्राय है ? साहित्येतर पाठ के स्तर पर अनुवाद की सीमाओं और अननुवाद्यता का सोदाहरण विवेचन कीजिए। 20

3. उन्नीसवीं सदी के पाश्चात्य अनुवाद सिद्धांतों की चर्चा कीजिए एवं इस दौरान अनुवाद तथा अनुवादक के प्रति बदलती धारणा पर प्रकाश डालिए। 20

4. अनुवाद के आरंभ पर विचार करते हुए बाइबिल के अनुवादों का विवरण प्रस्तुत कीजिए। 20

5. मध्यकालीन भारतीय अनुवाद परंपरा में मुगलकालीन अनुवाद परंपरा का वर्णन कीजिए। 20

6. उपनिवेशकालीन भारतीय अनुवाद परंपरा में देशी भाषाओं में कितनी तरह के अनुवाद हुए हैं ? इस अनुवाद परंपरा के राष्ट्रवादी स्वरूप की व्याख्या कीजिए। 20

7. 'ब्रिटिश शासनकालीन सिंधी साहित्य अनुवाद परंपरा' पर निबंध लिखिए। 20

8. सिंधी और हिंदी भाषा का संबंध स्पष्ट कीजिए और 'भारतीय भाषाओं में सिंधी काव्यानुवाद' का वर्णन कीजिए। 20

9. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर लगभग **350** शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) समतुल्यता का सिद्धांत

(ख) सुजित मुखर्जी का अनुवाद सिद्धांत

(ग) सिंधी अनुवाद हेतु शब्दकोश आदि सामग्री का निर्माण

(घ) सिंधी शब्दकोश परंपरा और पाश्चात्य विद्वान

× × × × ×